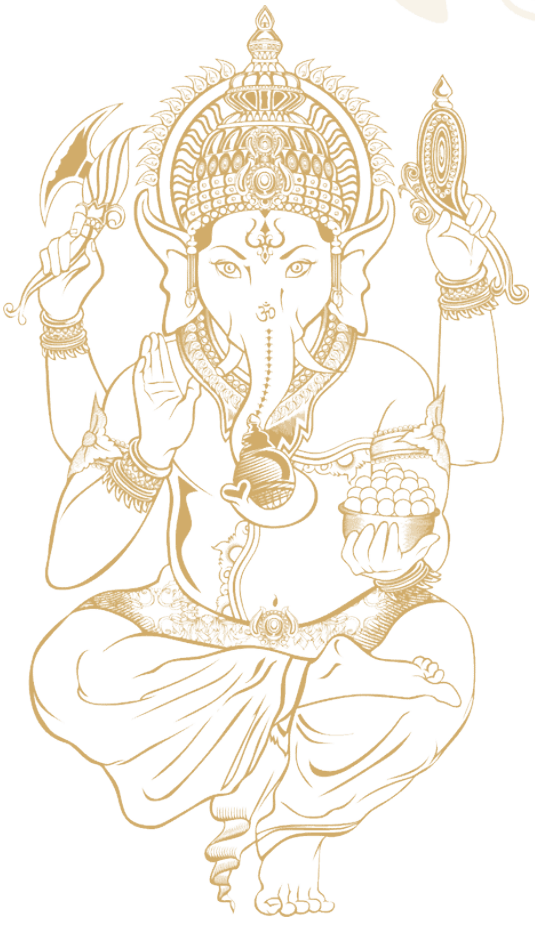

Vikrant

Akanksha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121942502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/12/1995	जन्म तिथि	10/04/1995
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 17:50:00	जन्म समय	16:37:00 घंटे
घटी 27:01:23	जन्म समय(घटी)	26:27:18 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Meerut
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:00:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:01:26	सूर्योदय	05:59:53
17:24:12	सूर्यास्त	18:41:59
23:48:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:37

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 16वर्ष 2मा 22दि	29:23:37	वृष	लग्न	सिंह	29:45:42	बुध 10वर्ष 4मा 25दि
गुरु	22:07:37	वृश्चि	सूर्य	मीन	26:19:38	शुक्र
29/02/2012	07:58:46	मिथु	चंद्र	कर्क	21:50:27	04/09/2012
29/02/2028	12:13:47	धनु	मंगल	कर्क	20:57:46	04/09/2032
गुरु 19/04/2014	00:34:19	धनु	बुध	मीन	21:56:15	शुक्र 04/01/2016
शनि 30/10/2016	00:19:44	धनु	गुरु व	वृश्चि	21:27:52	सूर्य 03/01/2017
बुध 05/02/2019	19:47:40	धनु	शुक्र	कुंभ	22:06:04	चन्द्र 04/09/2018
केतु 12/01/2020	24:26:30	कुंभ	शनि	कुंभ	25:25:48	मंगल 04/11/2019
शुक्र 12/09/2022	01:30:18	तुला व	राहु व	तुला	11:54:11	राहु 04/11/2022
सूर्य 01/07/2023	01:30:18	मेष व	केतु व	मेष	11:54:11	गुरु 05/07/2025
चन्द्र 30/10/2024	04:19:13	मक	हर्ष	मक	06:25:21	शनि 04/09/2028
मंगल 06/10/2025	00:03:53	मक	नेप	मक	01:40:21	बुध 05/07/2031
राहु 29/02/2028	07:17:35	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	06:25:54	केतु 04/09/2032

लग्न-चलित

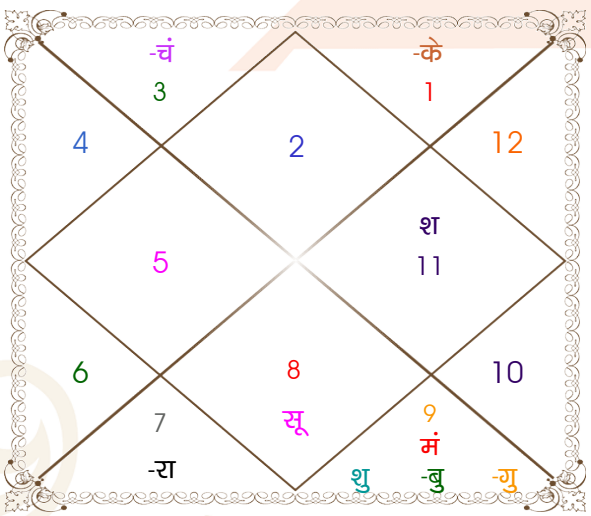

लग्न-चलित

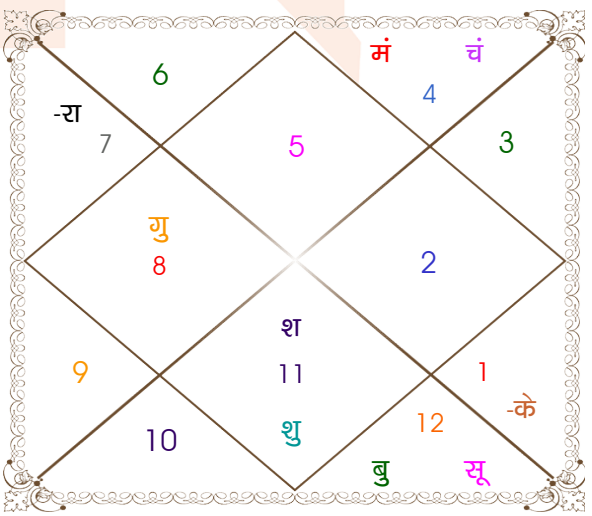

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मार्जार	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

टपातंदज का वर्ग मार्जार है तथा Akanksha का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपातंदज और Akanksha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

टपातंदज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु टपातंदज कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Akanksha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Akanksha कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Akanksha कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Akanksha कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Akanksha कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु टपातंदज कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टपातंदज तथा Akanksha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।